समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा का बड़ा बयान : पति की मौत मे संभी पर शक, मैनेजर और टीम के खिलाफ FIR

Publisher

Published on 01 Oct 2025

हाल ही में फिल्मी दुनिया को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। मशहूर अभिनेता **जुबीन गर्ग** की अचानक मौत ने न केवल उनके परिवार को बल्कि फैंस और फिल्म इंडस्ट्री को भी गहरे सदमे में डाल दिया। अब इस मामले में जुबीन की पत्नी **गरिमा गर्ग** ने बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें पति की मौत के पीछे सभी पर शक है।

गरिमा ने कहा कि वह पति की मौत के मामले में केवल एक व्यक्ति या संस्था को दोषी नहीं मान रही हैं, बल्कि **घटनास्थल पर मौजूद सभी लोगों** पर शक जताती हैं। उनका कहना है कि इस मामले में उचित और फास्ट-ट्रैक जांच की आवश्यकता है, ताकि सच सामने आ सके और न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

इस गंभीर बयान के बाद गरिमा ने **मैनेजर, जुबीन की पूरी टीम और फेस्टिवल के आयोजकों** के खिलाफ FIR दर्ज करवाई है। FIR में कहा गया है कि इन सभी व्यक्तियों की भूमिका और जिम्मेदारी की जांच होनी चाहिए। गरिमा का कहना है कि वह चाहती हैं कि मामले में किसी भी प्रकार की देरी न हो और पूरी घटना की **विवेचना निष्पक्ष रूप से** हो।

फिल्म इंडस्ट्री में यह मामला एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। सोशल मीडिया पर गरिमा के बयान के बाद जमकर प्रतिक्रियाएँ देखने को मिली हैं। कई लोग उनके पक्ष में हैं और उन्हें न्याय की प्राप्ति के लिए समर्थन दे रहे हैं, वहीं कुछ लोग मामले के सही तथ्यों का इंतजार करने की सलाह दे रहे हैं।

गरिमा ने कहा कि वह नहीं चाहती कि उनके पति की मौत **अस्पष्ट कारणों और अटकलों** के बीच दब जाए। उन्होंने मीडिया को भी अपील की है कि इस मामले में संवेदनशीलता बरतें और अफवाहों को फैलाने से बचें। उनका कहना है कि केवल न्याय और सत्य की स्थापना उनके लिए महत्वपूर्ण है।

इस घटना ने फिल्म इंडस्ट्री में भी हड़कंप मचा दिया है। कई अभिनेता और फिल्म निर्माता इस मामले पर बयान देने से बच रहे हैं,

लेकिन कुछ ने गरिमा के फैसले का समर्थन किया है। उनका कहना है कि परिवार की भावनाओं को समझना और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना जरूरी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब परिवार स्वयं जांच की मांग करता है और FIR दर्ज कराता है, तो इसका मतलब होता है कि वे **कानूनी प्रक्रिया और न्यायिक हस्तक्षेप** चाहते हैं। यह कदम अपराधियों को बेनकाब करने और सत्य उजागर करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

गरिमा ने फास्ट-ट्रैक जांच की मांग करते हुए कहा कि इसमें किसी प्रकार की देरी न्यायिक प्रक्रिया और पीड़ित परिवार के लिए हानिकारक होगी। उनका यह भी कहना है कि वे चाहते हैं कि **सभी संदिग्ध व्यक्तियों और घटनास्थल पर मौजूद टीम का निरीक्षण** किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार का दबाव या गड़बड़ी न हो।

इस मामले में फिलहाल पुलिस और प्रशासन ने कहा है कि वे FIR के आधार पर **जांच शुरू कर चुके है** । पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वे मामले के सभी पहलुओं की जाँच कर रहे हैं और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करेंगे।

सामाजिक और डिजिटल मीडिया पर यह मामला लगातार ट्रेंड कर रहा है। फैंस, फिल्मी समुदाय और सामान्य लोग अपने-अपने विचार साझा कर रहे हैं। गरिमा गर्ग के बयान ने न केवल न्याय की मांग को उजागर किया है बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में **सुरक्षा और जिम्मेदारी की महत्वपूर्ण बहस** भी शुरू कर दी है।

इस पूरे मामले ने एक बार फिर यह सवाल उठाया है कि **घटनास्थलों पर सुरक्षा और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए क्या पर्याप्त कदम उठाए जाते है** । फिल्म और इवेंट इंडस्ट्री में ऐसी घटनाओं को रोकने और भविष्य में न्याय सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

गरिमा गर्ग के बयान और FIR दर्ज कराने के कदम से यह स्पष्ट हो गया है कि परिवार **सत्य और न्याय की दिशा मे कंोई समझौता नहीं करना चाहता**। यह मामला आने वाले समय में न्यायिक प्रक्रिया और मीडिया रिपोर्टिंग के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

अंततः कहा जा सकता है कि जुबीन गर्ग की मौत और गरिमा गर्ग का बयान केवल एक व्यक्तिगत मामला नहीं है। यह घटना फिल्म इंडस्ट्री, सोशल मीडिया और न्यायिक प्रक्रिया में **सत्य, सुरक्षा और जिम्मेदारी** पर बहस का केंद्र बन गई है। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि फास्ट-ट्रैक जांच और FIR के परिणाम क्या होंगे और न्याय कब तक सुनिश्चित किया जाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.